

मई में चार बार महंगी हुई सीएनजी

15 मई को इसके दाम दो रुपये और 17 मई तथा 23 मई को एक-एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाये गये

नई दिल्ली, 26 मई राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों में मंगलवार को सीएनजी दो रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो गयी. दिल्ली और आसपास के शहरों में सीएनजी की आपूर्ति करने वाली सिटी गैस वितरण कंपनी इंड्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के अनुसार, दिल्ली में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 83.09 रुपये हो गयी है. पहले इसकी कीमत 81.09 रुपये प्रति किलोग्राम थी.

दूसरे शहरों में भी सीएनजी के दाम में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गयी है. सीएनजी की कीमतों में इस महीने यह चौथी बढ़ोतरी है. इससे पहले



15 मई को इसके दाम दो रुपये और 17 मई तथा 23 मई को एक-एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाये गये थे. इस प्रकार चार बार में इसके दाम छह रुपये बढ़ गये हैं. दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद में एक किलोग्राम सीएनजी आज से 91.70 रुपये का हो गया है. गुरुग्राम में इसकी

कीमत अब 88.12 रुपये हो गयी है.

अब मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी 91.58 रुपये प्रति किग्रा, रेवाड़ी में 87.70 रुपये, करनाल में 87.43, केथल में 88.43 रुपये तथा कानपुर, हमीरपुर और फतेहपुर में 94.42 रुपये प्रति किग्रा के भाव मिलेगी.

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति बाधित होने से घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की खुदरा कीमतों में लगातार वृद्धि की जा रही हैगत 15 मई से अब तक पेट्रोल की कीमत 7.35 रुपये और डीजल की 7.53 रुपये प्रति लीटर बढ़ायी गयी है

अजमेर, पाली और राजसमंद में अब सीएनजी की कीमत 92.44 रुपये, मोहावा, बांदा और चित्रकूट में 89.42 रुपये, हापुड़ में 92.70 रुपये तथा गौतमबुद्ध नगर में 91.70 रुपये और ग्रेटर नोएडा में 91.70 रुपये प्रति किलोग्राम होगी.

प्रमुख सूचकांकों में गिरावट बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयर टूटे

मुंबई, 26 मई. अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में गिरावट देखी गयी और बैंकिंग तथा वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रही. बीएसई का सेंसेक्स 479.26 अंक (0.63 प्रतिशत) टूटकर 76,009.70 अंक पर बंद हुआ.निफ्टी-50 सूचकांक भी 118 अंक यानी 0.49 प्रतिशत नीचे 23,913.70 अंक पर आ गया. सुबह गिरावट में खुलने के बाद कुछ देर के लिए दोनों प्रमुख सूचकांक हरे निशान में गये थे, लेकिन दोपहर बाद बिकवाली होने से फिर लाल निशान में चले गये. अमेरिका ने सोमवार रात ईरान पर फिर हमले किये हैं.इससे बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई है.

13.37 गीगावाट से मिलेगी 24 घंटे बिजली

खावड़ा में अडानी की दुनिया की सबसे बड़ी बैटरी परियोजना

10 लाख घंटे तक एक दिन बिजली पहुंचाने में सक्षम प्रणाली



अहमदाबाद, 26 मई. अडानी समूह की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में कुल 3.37 गीगावाट प्रति घंटा क्षमता की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) चालू कर दिया है जो चीन के बाहर दुनिया का किसी देश में एक जगह स्थापित सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा स्टोरेज प्रणाली है जिसमें हरित ऊर्जा का भंडारण किया जाता है.

एजीईएल एक योजना चालू वित्त वर्ष में और 10 गीगावाट/घंटा से ज्यादा की बैटरी स्टोरेज क्षमता जोड़ने और अगले पाँच

वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 गीगावाट तक पहुँचाने की हैएक गीगावाट एक हजार मेगावाट या एक अरब वाट के बराबर है. कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह सुविधा इतनी समर्थवान है कि इससे

लगभग दस लाख घंरों को पूरे एक दिन तक बिजली दी जा सकेइस तरह यह इंदौर, चंडीगढ़ जैसे शहरों या पूरे गोवा राज्य में व्यस्ततम समय की बिजली की माँग को पूरा करने में सक्षम है.

एजीईएल के अधिशासी डायरेक्टर सागर अडानी ने कहा, भारत के साफ ऊर्जा बदलाव के अगले चरण में बड़े पैमाने पर एनर्जी स्टोरेज की भूमिका बहुत अहम होगीजैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता तेजी से बढ़ रही है, भरोसेमंद और 24 घंटे साफ बिजली की सपनाई सुनिश्चित करने के लिए भंडारण अवसरचना का होना बेहद जरूरी हो गया है खावड़ा में 3.37 गीगावाट की बिजली बैटरी-स्टोर के शुरू होने के साथ ही कंपनी अब एक मजबूत, नियंत्रित आपूर्ति योग्य और लचीली ऊर्जा प्रणालियों की नींव को और भी मजबूत बना रहा है.



भारत-कनाडा व्यापार समझौते को मिली नई रफ्तार

गोयल की कनाडा यात्रा से मजबूत होंगे व्यापारिक रिस्ते

निवेश, तकनीक और कृषि सहयोग बढ़ाने पर हुई अहम चर्चा

नई दिल्ली/ ओटावा 26 मई. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा की अपनी यात्रा के ओटावा चरण में प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी, व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू, कृषि और कृषि-खाद्य मंत्री हीथ मैकडॉनल्ड तथा विदेश मंत्री अनिता आनंद के साथ बैठकें कर भारत-कनाडा संबंधों को मजबूत करने और आपसी व्यापार-निवेश बढ़ाने के लिए प्रस्तावित द्विपक्षीय समझौते की बातचीत को अंतिम रूप देने पर चर्चा की हैं.

मंत्री गोयल ने प्रधानमंत्री श्री

कार्नी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुभकामना संदेश दिया और दोनों देशों के संबंधों को गति देने के मेजबान प्रधानमंत्री के योगदान का उल्लेख कियादोनों पक्षों ने भारत कनाडा व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सेपा) के लिए चल रही बातचीत को लेकर उत्साह जताया है और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 70अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए काम करने की प्रतिद्धबद्धता व्यक्त की . एक बड़े व्यावसायिक दल के साथ इस यात्रा पर गये.

मंत्री गोयल ने प्रधानमंत्री श्री कार्नी के साथ अपनी मुलाकात के बारे में कहा, मैक जे कार्नी से मुलाकात की, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं.

मंत्रीगोयल ने विदेश मंत्री अनिता आनंद के साथ अपनी व्यापक चर्चा के बारे में सोशल मीडिया पर कहा कि इस बातचीत में भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी के लिए व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी संबंधों के महत्व पर जोर दिया गयाश्री गोयल ने सुश्री आनंद को बताया कि भारत का बढ़ता बुनियादी ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और उपाभोक्ता क्षेत्र, अन्य क्षेत्रों के साथ मिलकर, व्यापक सहयोग और निवेश के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं.

सोना और चांदी में आई गिरावट

900 रुपए नीचे आया सोना

3400 रुपए सस्ती हुई चांदी



नई दिल्ली, 26 मई. देश के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई.24 कैरेट सोना जहां 900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ, वहीं चांदी के दाम में 3400 रुपये से अधिक की भारी गिरावट देखने को मिली.

बाजार में आई इस नरमी ने निवेशकों के साथ-साथ आभूषण खरीदने वाले ग्राहकों का भी ध्यान खींचा है.इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की ओर से

जारी ताजा दरों के अनुसार, 24 कैरेट सोने का भाव घटकर 1,57,722 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है.इससे पहले सोमवार को इसका भाव 1,58,622 रुपये प्रति 10 ग्राम था.

इसी तरह 23 कैरेट सोना 1,57,090 रुपये, 22 कैरेट सोना 1,44,473 रुपये, 18 कैरेट सोना

1,18,292 रुपये और 14 कैरेट सोना 92,267 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर दर्ज किया गया. चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई.सोमवार को जहां चांदी 2,69,754 रुपये प्रति किलोग्राम थी, वहीं मंगलवार को इसका भाव गिरकर 2,66,350 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया.यानी एक ही दिन में चांदी 3,404 रुपये प्रति किलो तक टूट गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में भी सोना और चांदी दबाव में रहे.कारोबार के दौरान सोने में करीब आधा प्रतिशत और चांदी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों धातुओं में कमजोरी देखने को मिली, जिसका असर घरेलू बाजार पर पड़ा. आर्थिक विश्लेषकों का कहना है कि बढ़ती महंगाई और वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशक फिलहाल सतर्क रणनीति अपना रहे हैं.

अशोक लेलैंड को मिला 715 वाहनों का ऑर्डर

नई दिल्ली, 26 मई. हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी और अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता अशोक लेलैंड को वीआरएल लॉजिस्टिक्स से 715 वाहनों का ऑर्डर मिला है. कंपनी ने सोमवार को बताया कि इस ऑर्डर में एवीटीआर 3120 हॉलेंज ट्रक, बॉस 1615 ट्रक और ऑयस्टर स्टाफ बसें शामिल हैं.

यह उपलब्धि दोनों कंपनियों के बीच साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम

है और एक भरोसेमंद मोबिलिटी पार्टनर के रूप में अशोक लेलैंड की स्थिति को भी और मजबूत करता है. कंपनी ने बताया कि वाहनों की डिलीवरी योजना के अनुसार चल रही है; इसमें से 300 ट्रक पहले ही डिलीवर किए जा चुके हैं और अन्य 415 ट्रक मौजूदा वर्ष में डिलीवर किये जाने तय हैं. वीआरएल लॉजिस्टिक्स के प्रबंध निदेशक आनंद संकेश्वर ने कहा कि हमें अशोक लेलैंड के ट्रकों की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और प्रदर्शन पर पूरा भरोसा है.

एनबीसीसी का तिमाही मुनाफा 39% बढ़कर 253 करोड़ पर

नई दिल्ली, 26 मई. सार्वजनिक क्षेत्र की भवन निर्माण कंपनी एनबीसीसी का समेकित शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 38.78 प्रतिशत बढ़कर 253.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

कंपनी ने सोमवार को बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 4,700 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 4,618.60 करोड़ रुपये था. कंपनी का कर पूर्व लाभ 37.44 प्रतिशत बढ़कर 342.29 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

खादी की बढ़ी चमक, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिक्री

‘वोकल फॉर लोकल’ अभियान से ग्रामीण उद्योगों को नई रफ्तार

नई दिल्ली, 26 मई. खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्रीगत 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 में 1.87 लाख करोड़ रुपये के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी.

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में खादी एवं ग्रामोद्योगों का उत्पादन 1,25,296 करोड़ रुपये रहा.इस दौरान बिक्री भी 1,87,105 करोड़ रही जो अब तक की सर्वाधिक बिक्री है.खादी वस्त्रों का उत्पादन 3,974 करोड़



रुपये और बिक्री 7,869 करोड़ रुपये रही.वहीं, ग्रामोद्योग क्षेत्र की वस्तुओं का उत्पादन 1,21,322 करोड़ रुपये और बिक्री 30,073 करोड़ रुपये रही.ग्रामोद्योग क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025-26 में 1.99 करोड़ लोगों को रोजगार मिला जो

ग्रामीण आजीविका सृजन में इस क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है.

कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और घर-घर स्वदेशी जैसे अभियानों के प्रभाव से ग्रामोद्योग उत्पादों की मांग में निरंतर वृद्धि हुई है, जिससे यह क्षेत्र ग्रामीण उद्योगों के विस्तार, बाजार सुदृढ़ीकरण और रोजगार सृजन का एक प्रमुख आधार बनकर उभरा है.उन्होंने बताया कि पिछले 12 साल में उत्पादन में 380 प्रतिशत और बिक्री में 501 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है.

समाचार विशेष

मैदानी सीट से चुनाव लड़ने के मूड में हरक सिंह



देहरादून. राजनीति में अपने बयानों से हलचल मचाने वाले हरक सिंह रावत ने एक बार फिर नया बयान देकर तमाम कांग्रेसी नेताओं की धड़कने बढ़ा दी हैं. खास बात ये है कि हरक सिंह ने आने वाले कुछ दिनों में ना केवल सीट तय करने का दावा किया है तो आगामी चुनाव में मैदानी सीट पर ही चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाहिर कर दी है.

उत्तराखंड की राजनीति में अपने बयानों और राजनीतिक चालों से लगातार हलचल मचाने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है, जिसने कांग्रेस के भीतर सियासी सरगमियां तेज कर दी हैं. आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हरक सिंह रावत ने संकेत दिए हैं कि वह इस बार किसी

मैदानी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के मूड में हैं. इतना ही नहीं उन्होंने कई सीटों का नाम लेकर उन नेताओं की धड़कनें भी बढ़ा दी हैं, जो पहले से इन सीटों पर अपनी दावेदारी जता रहे हैं. हरक सिंह रावत लंबे समय से उत्तराखंड की राजनीति का बड़ा चेहरा रहे हैं. राज्य गठन के बाद से अब तक वह अलग-अलग विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ते रहे हैं. वे कई बार मंत्री पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं. यही वजह है कि उनके हर राजनीतिक बयान को गंभीरता से लिया जाता है. इस बार भी उन्होंने अपनी संभावित सीट को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने कांग्रेस संगठन के भीतर चर्चाओं का दौर तेज कर दिया है.

दरअसल आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं से उनकी पसंद और राजनीतिक रणनीति को लेकर राय लेना शुरू कर दिया है. इसी क्रम में हरक सिंह रावत से भी पूछा गया कि वह आगामी चुनाव किस सीट से लड़ना चाहते हैं ?

प्रभावित हो सकते हैं स्थानीय नेताओं के समीकरण

उनके इस बयान के बाद कांग्रेस के भीतर उन नेताओं की चिंता बढ़ गई है, जो पहले से इन सीटों पर सक्रिय हैं. हरक सिंह रावत जिस भी सीट पर दावेदारी करेंगे, वहां टिकट की दौड़ और अधिक दिलचस्पी हो जाएगी. विशेष रूप से कोटद्वार सीट को लेकर चर्चाएं तेज हैं, क्योंकि हरक सिंह रावत पहले भी इस क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहे हैं. वहीं रुद्रप्रयाग और केदारनाथ जैसे क्षेत्रों में भी उनकी राजनीतिक पकड़ मानी जाती है. ऐसे में उनका नाम सामने आने से स्थानीय नेताओं के समीकरण प्रभावित हो सकते हैं. कांग्रेस संगठन फिलहाल इस पूरे मामले में संतुलन बनाकर चलने की कोशिश कर रहा है.

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष को लेकर जल्द होगा खुलासा

पर्यवेक्षकों ने दिल्ली में सौंपी रिपोर्ट, इन नामों पर चर्चा तेज

नई दिल्ली. कर्नाटक में नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नाम की कवायद तेज हो गई है. भाजपा की तरफ से केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाए गए विजयंत जय पांडा और सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश राज्य में वरिष्ठ नेताओं से राय मशविरा करके दिल्ली आ गए हैं.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, राज्य में करीब 33 वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मिले और उनकी राय जानी. बता दें कि पर्यवेक्षकों को कंसल्टेशन के लिए राज्य में 35 नेताओं से संपर्क भी



करना था, लेकिन इसमें से दो नेता इस समय विदेश यात्रा में हैं. इस वजह से उनसे चर्चा नहीं हो पाई. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंत्रिपरिषद की बैठक में शामिल होने की वजह से केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी बेंगलुरु में उपस्थित नहीं थे, इसलिए शुक्रवार को दिल्ली वापस आकर पर्यवेक्षकों ने प्रहलाद जोशी से भी मुलाकात

की और उनका मतव्य जाना. कर्नाटक में भाजपा नेताओं से मिले फीडबैक को केंद्रीय पर्यवेक्षक विजयंत जय पांडा और सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को सौंप दिया है. इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और कर्नाटक के दिग्गज नेता बीएसए येदियुरप्पा की भी राय ली गई.

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के रिपीट होने प्रबल संभावना है. प्रदेश अध्यक्ष की रैस में उनका नाम सबसे आगे है.

विशेष दलित मतदाताओं को यह संदेश दिया जाए कि कांग्रेस उनके हितों का ध्यान रखने वाली पार्टी है

दलित मतदाताओं को कांग्रेस का संदेश

लखनऊ. कई जगह इस बात का मजाक बनाया जा रहा है कि कांग्रेस के दो नेता राजेंद्र पाल गौतम और तनुज पुनिया अचानक मायावती से मिलने पहुंच गए थे और मायावती के कार्यालय के बाहर से गार्ड ने उनको लौटा दिया था. पहली नजर में यह मजाक का ही मामला दिखता है.

याद करें कैसे पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कुछ अन्य नेताओं को लेकर राजद सुप्रीम लालू प्रसाद के घर के बाहर पहुंच गए



थे और कह रहे थे कि राजद उनकी पार्टी को गठबंधन में शामिल करे. राजद ने गठबंधन नहीं किया. इसके बावजूद ओवैसी की पार्टी के पांच विधायक मुस्लिम बहुल सीटों से चुनाव जीत गए.

ठीक उसी तर्ज पर कांग्रेस के

कांग्रेस के लोग एआई जेनेरेटेड एक पोस्टर भी सोशल मीडिया में शेयर कर रहे हैं, जिसमें बसपा को कांग्रेस का स्वाभाविक सहयोगी बताया जा रहा है. ध्यान रहे जब से मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं तब से कांग्रेस ने दलित राजनीति पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया और दलित वोटों में कांग्रेस की स्वीकार्यता भी बढ़ी है. सो, यह अनायास नहीं था, बल्कि सोचा समझा दांव था.

उत्तर प्रदेश के एससी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने बसपा प्रमुख के ऊपर दांव खेला है. वे तनुज पुनिया के साथ मायावती से मिलने गए. उनको पता था कि मायावती नहीं मिलेंगी. उनको मिलना होगा तो सोधो राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन

खड़गे से मिलेंगी. फिर वे गए तो इसका मकसद यह था कि चुनाव से पहले राज्य के दलित मतदाताओं को यह संदेश दिया जाए कि कांग्रेस उनके हितों का ध्यान रखने वाली पार्टी है और इसलिए वह बसपा से तालमेल करना चाहती है.

आधार को मजबूत करने में जुटी भाजपा

रायपुर. भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में मिशन 2028 की तैयारी में जुट गई है. युवा शक्ति, नारी सम्मान और बस्तर का विकास 2028 के लिए छत्तीसगढ़ में भाजपा के मिशन के मूल मंत्र होंगे. इसके लिए इंतजार को खत्म कर काम करने की शुरुआत कर दी गई है. बीजेपी जिस रणनीति पर काम कर रही है, उसमें एक बात तो

भाजपा का यह मिशन 2028 के जमीनी तैयारी का आगाज है. हालांकि छत्तीसगढ़ दौरे पर रहे अमित शाह ने जिस तरह का मंत्र मंच से दिया है भाजपा ने उसे 2028 के फतह का बीजमंत्र मानकार काम चालू कर दिया है.

वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी जिस तरीके से स्थित है उसमें छत्तीसगढ़ महफूज तो है लेकिन छत्तीसगढ़ के बारे में



कुछ कहा नहीं जा सकता. इसकी वजह भी बड़ी साफ है. 2014 में मोदी का लहर की चली आंधी में भारतीय जनता पार्टी के सेहत पर कोई असर नहीं डाल पाई. लेकिन 2019 में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़े जन आधार होने और मोदी सरकार के काम करने के बाद भी छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी हार गई. हालांकि 2023 में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर सरकार में आई और आते ही 2028 की चुनावी रणनीति पर काम शुरू कर दिया.

2028 का बस्तर

18 और 19 मई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे में बस्तर विकास को लेकर जो योजनाएं रखी गई हैं, उससे एक बात तो साफ है कि 2028 की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी की नैया पार लगाने में बस्तर मॉडल बहुत कारगर होगा. बस्तर के विकास का मॉडल, नक्सली समाप्ति की योजना वाली पूरी बात और बस्तर में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और सरकार के काम की विश्वास बहुत मायने रखता है. क्योंकि यह ऐसे मुद्दे हैं जो 2028 में बहुत मजबूती से खड़े होंगे और यहां की खामियां विपक्ष के लिए वह हथियार, जो भारतीय जनता पार्टी के लिए परेशानी का कारण बन सकता है. बस्तर का विकास एक बहुत बड़ी चुनौती है.